RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 162
दि. 11.10.2025, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

तालिबानी विदेश मंत्री से भारत की बड़ी डील, थर-थर कांपेगा पाकिस्तान

(एजेंसी)।

भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अपने दूतावास को आधिकारिक तौर पर बहाल करने की घोषणा करके एक महत्वपूर्ण राजनयिक कदम उठाया है। यह निर्णय नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुताकी के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक के दौरान लिया गया।

इस घोषणा की सबसे बड़ी बात यह है कि भारत ने 2021 में तालिबान शासन आने के बाद पहली बार अफगानिस्तान की संप्रभुता के प्रति अपना पूर्ण समर्थन स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है।

तालिबान के सत्ता में आने के बाद से, भारत ने काबुल में अपनी उपस्थिति को एक उच्चायोग तक सीमित रखा था और अफगानिस्तान से जुड़े मामलों पर 'शांत कूटनीति' अपना रखी थी। अब इस उच्चायोग को पूर्ण दूतावास में बदल दिया जाएगा, जिससे भारत की राजनयिक उपस्थिति मुख्यधारा में लौट आएगी। वर्तमान में काबुल में रूस और पाकिस्तान जैसे कुछ ही देशों के दूतावास हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि अफगानिस्तान भारत के लिए हमेशा सर्वोपरि रहा है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हाल ही में पहलगाम हमले की निंदा करने के लिए अफगानिस्तान का आभार व्यक्त किया, जो साझा सुरक्षा हितों को दर्शाता है।

इस बैठक में मानवीय और विकास सहायता पर भी फोकस रहा। जयशंकर ने ऐलान किया कि अफगानिस्तान में विकास के रुके हुए प्रोजेक्टों को फिर से शुरू किया जाएगा और भारत 20 एंबुलेंस प्रदान करेगा। यह पहल दशार्ती है कि भारत, अफगान लोगों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेगा और संकटग्रस्त देश को सहायता जारी रखेगा।

आमिर खान मुताकी, तालिबान शासन के तहत भारत का दौरा करने वाले पहले विदेश मंत्री हैं। उनके इस दौरे को तालिबान नेतृत्व का पूर्ण समर्थन प्राप्त था। मुताकी ने जयशंकर को आश्वस्त किया कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल भारत के खिलाफ किसी भी साजिश के लिए नहीं होने दिया जाएगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर, कारोबारी सुगमता व सुरक्षा से आया व्यापक निवेश : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

(एजेंसी)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जहां इंफ्रास्ट्रक्चर, कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) और मजबूत कानून व्यवस्था से सुरक्षा का माहौल हो तो वहां दुनिया के निवेश को आने से कोई भी नहीं रोक सकता। उत्तर प्रदेश में आज शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर है, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस है तो यहां की कानून व्यवस्था नजीर मानी जाती है। इनके समन्वय से उत्तर प्रदेश में देश और दुनिया से व्यापक निवेश आया है। आज का उत्तर प्रदेश, देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

सीएम योगी शुक्रवार को गोरखपुर के चंपा देवी पार्क में आयोजित यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी मेला का आयोजन राज्य के हर जिले में हो रहा है। इसके पहले प्रदेश में बने उत्पादों को मंच देने के लिए 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया गया था। इंटरनेशनल ट्रेड शो में 2250 से अधिक उद्यमियों ने अपने उत्पादों की शो केसिंग की थी। 500 से अधिक विदेशी क्रेता यहां आए थे और इस ट्रेड शो में 11200 करोड रुपये के उत्पादों की बिक्री हुई। यह नए उत्तर प्रदेश की तस्वीर है जो बीमारू राज्य से उबरकर इसे उद्यम प्रदेश के रूप में प्रस्तुत करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उद्यम लगेंगे तो रोजगार मिलेगा। उद्यम लगेंगे तो कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी और उस कनेक्टिविटी की सुविधा का लाभ उद्योग ही नहीं बल्कि आम नागरिकों को भी मिलेगा। उद्यम लगेंगे तो नई तकनीकी आएगी और रोजगार के नए-नए अवसर भी सृजित होंगे।

संक्षिप्त समाचार

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार जीता

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया। नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने 10 अक्टूबर 2025 को उनके लोकतंत्र और मानवाधिकारों के लिए अथक संघर्ष को सम्मानित किया। 58 साल की मारिया ने डोनाल्ड ट्रंप को पछाड़कर यह खिताब हासिल किया। वेनेजुएला की राजधानी कैरेकस में मारिया कोरिना मचाडो का जन्म 7 अक्टूबर 1967 को हुआ। चार बहनों में सबसे बड़ी। पिता हेनरिक मचाडो जुलोआगा (इस्पात व्यवसायी), मां कोरिना पैरिसका (मनोवैज्ञानिक)।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सभी राज्यों के साथ पर्यावरण नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की

(एजेंसी)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रमुख पर्यावरणीय आदेशों के क्रियान्वयन के आकलन के लिए 10 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में समीक्षा बैठक की। पर्यावरण मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड -सीपीसीबी और देश भर के सभी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और प्रदूषण नियंत्रण समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्य सचिवों ने भाग लिया।

बैठक में पर्यावरण मंत्री ने जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1974 अपनाने, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व विनियमन कार्यान्वयन, विभिन्न अपशिष्ट प्रबंधन नियम लागू करने और ऑनलाइन निगरानी प्रणालियों द्वारा औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रित करने संबंधी विनियमों में राज्य-स्तरीय क्रियान्वयन की समीक्षा की।

श्री यादव ने 13 राज्यों -आंध्र प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, मणिपुर, नागालैंड, ओडिशा, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश, को अपने राज्य विधानमंडलों में इसी शीतकालीन सत्र तक जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम, 1974 अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे प्रदूषण नियंत्रण मानकों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु उद्योगों को वगीर्कृत करने और समान सहमति दिशानिदेर्शों की प्रयोज्यता सुनिश्चित होगी।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि कचरे से सामग्री प्राप्त करने और संसाधनों पर बोझ कम करने के लिए चक्रीय अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों का क्रियान्वयन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्लास्टिक पैकेजिंग, ई-कचरा, बैटरी अपशिष्ट, बेकार टायर, इस्तेमाल किए गए तेल, जीवन-काल समाप्त हो चुके वाहन, निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट, तथा अलौह धातुओं के स्क्रैप संबंधी ईपीआर विनियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने का आग्रह किया ताकि उत्पादकों और पुनर्चक्रणकताओं को ईपीआर प्रमाणन में सुविधा हो।

उन्होंने ईपीआर तंत्र के तहत लेखा

मेहसाणा में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस-उत्तर गुजरात के दूसरे दिन क्षेत्रीय एमएसएमई कॉन्क्लेव आयोजित

यदि एमएसएमई समृद्ध होंगे तो गुजरात समृद्ध होगा और गुजरात समृद्ध होगा तो विकसित भारत का विजन भी साकार होगा : श्री संदीप सागले (आईएएस), आयुक्त, एमएसएमई

कॉन्क्लेव के दौरान 'क्लस्टरों से प्रतिस्पर्धात्मकता तक : वैश्विक व्यापार के लिए एमएसएमई को सक्षम बनाना' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित हुई

गांधीनगर, 10 अक्टूबर : मेहसाणा में चल रही दो दिवसीय वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी)-उत्तर गुजरात के दूसरे दिन यानी शुक्रवार, 10 अक्टूबर को क्षेत्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) कॉन्क्लेव आयोजित हुई। इस कॉन्क्लेव की मुख्य थीम 'उद्यम उत्कर्षः मजबूत एमएसएमई, सशक्त भारत' थी।

गुजरात सरकार के एमएसएमई आयुक्त श्री संदीप सागले (आईएएस) ने क्षेत्रीय एमएसएमई कॉन्क्लेव की शुरूआत की। उन्होंने कॉन्क्लेव की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। श्री सागले ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री और गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो दशक पहले वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की संकल्पना की थी और वर्ष 2003 में इस समिट की शुरूआत के साथ यह संकल्पना साकार हुई थी। आज इस समिट के फायदों को गुजरात के क्षेत्रीय स्तरों तक पहुंचाने के लिए पूरे गुजरात में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है, जो 'विकसित भारत@2047' के विजन को मूर्त रूप देगा।

गुजरात के एमएसएमई सेक्टर की चर्चा करते हुए श्री संदीप सागले ने कहा कि गुजरात के एमएसएमई कठोर परिश्रम और लचीलेपन का प्रतीक हैं। ये एमएसएमई लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं, गुजरात के औद्योगिक आउटपुट और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान देते हैं और इसके जरिए भारत की जीडीपी में भी योगदान देते हैं।

उन्होंने कहा कि आज, जब हम विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, तब हमें इस बात पर फोकस करना होगा कि अनिश्चितता से भरी इस दुनिया में हमारे एमएसएमई न केवल अपना अस्तित्व बचाए रखें, बल्कि विकास करने के साथ-साथ समृद्ध भी हों। उन्होंने एमएसएमई को मजबूत करने के लिए कस्टमर फोकस (ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना), ग्लोबल इंटीग्रेशन (वैश्विक एकीकरण), डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन (डिजिटल बदलाव) और रेजिलिएन्स एवं इनोवेशन (लचीलापन एवं नवाचार) सहित कुल चार मुख्य विषयों पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही।

उन्होंने अपनी चर्चा का समापन करते हुए कहा कि गुजरात ने हमेशा भारत के औद्योगिक विकास का नेतृत्व किया है, और वह भी केवल अपने कद के आधार पर नहीं, बल्कि पूरी स्पिरिट यानी उत्साह और भाव के साथ। हमारे एमएसएमई इसी स्पिरिट को आगे बढ़ा रहे हैं। हमें अपने एमएसएमई को मजबूत करना होगा, क्योंकि अगर एमएसएमई समृद्ध होंगे तो गुजरात समृद्ध होगा और गुजरात समृद्ध होगा तो विकसित भारत का विजन भी साकार होगा।

इसके बाद, वाधवाणी फाउंडेशन के संस्थापक श्री मितुल पटेल ने 'गुजरात के एमएसएमई की विकास क्षमताओं को उजागर करना' (अलॉकिंग द ग्रोथ पोटेंशियल ऑफ गुजरात्स एमएसएमईस) विषय पर प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने कहा कि वाधवाणी फाउंडेशन का विजन विकसित भारत के अनुरूप है। उन्होंने अपने प्रेजेंटेशन में एमएसएमई के महत्व के साथ ही इस बारे में भी अपना विजन प्रस्तुत किया कि कैसे ये एमएसएमई गुजरात और भारत की अर्थव्यवस्था में वृद्धि करेंगे। इसके अलावा, उन्होंने उत्तर गुजरात के वर्चुअल बिजनेस ग्रोथ एक्सेलरेटर के बारे में भी अपने विचार व्यक्त किए।

उद्योगपति मुकेश अंबानी ने किए बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के किए दर्शन, 10 करोड़ रुपए दिए दान, जानिए क्या कहा

उद्योगपति मुकेश अंबानी बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के दर्शन किए। उन्होंने 10 करोड़ रुपए भी दान भी किये। बदरीनाथ केदारनाथ धाम पहुंचने पर बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति [बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने उद्योग पति मुकेश अंबानी का भव्य स्वागत किया और उन्हें उत्तराखंडी टोपी भी भेंट की।

अंबानी ने कहा कि वे लगभग 20 सालों से उत्तराखंड आ रहे हैं लेकिन वर्तमान जैसी व्यवस्थाएं पहले कभी भी देखने को नहीं मिली।

'भारत को कहां ले आए ये लोग', आईपीएस की मौत पर केजरीवाल का फूटा गुस्सा, दोषियों के खिलाफ सख्त सजा की मांग

(एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी (AAP) के मुखिया और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा के दलित IPS अधिकारी वाई पूरन कुमार की कथित आत्महत्या पर गहरा दुख और गुस्सा व्यक्त किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि जाति आधारित उत्पीड़न ने इस अधिकारी को अपनी जान लेने पर मजबूर कर दिया।

वहीं, इस मामले में मृतक की कअर पत्नी की शिकायत पर हरियाणा के DGP शत्रुजीत सिंह कपूर और रोहतक रढ नरेंद्र बिजार्निया समेत अन्य अधिकारियों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है शुक्रवार को 'एक्स' (X) पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अरविंद केजरीवाल ने इस घटना को 'जातिगत उत्पीड़न' का परिणाम बताया और दोषियों के लिए कठोरतम सजा की मांग की। केजरीवाल ने लिखा, 'हरियाणा के दलित IPS अफसर पूरन कुमार जी को अपनी जाति को लेकर इतना उत्पीड़न झेलना पड़ा कि उन्होंने आत्महत्या कर ली। दोषी लोगों को जल्द से जल्द सख़्त से सख़्त सजा मिलनी चाहिए।'

उन्होंने हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) बीआर गवई पर जूता फेंकने के प्रयास की घटना का भी उल्लेख किया और कहा, 'देश के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंका गया तो इनके ट्रोल सोशल मीडिया पर दलितों को बेइज्जत कर रहे हैं, बाबा साहेब अंबेडकर तक को गाली दे रहे हैं। आज भारत को ये लोग कहां ले आए हैं?

IPS अधिकारी वाई पूरन कुमार, जो 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर मृत पाए गए थे, की पत्नी IAS अधिकारी अमनीत पूरन कुमार की शिकायत पर चंडीगढ़ पुलिस ने हरियाणा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। FIR में नामः हरियाणा के महानिदेशक (DGP) शत्रुजीत सिंह कपूर और रोहतक के पुलिस अधीक्षक (SP) नरेंद्र बिजारणिया सहित 15 अफसरों पर एफआईआर दर्ज की गई। धाराएंः IPC की धारा 108 (अपराध के लिए उकसाना), भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 3(5) और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(1)(१) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने आयुष क्षेत्र में बीमा एकीकरण और अनुसंधान के लिए सहयोग मजबूत किया

(एजेंसी)।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) के निदेशक प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार प्रजापति ने आयुष मंत्रालय के बीमा विशेषज्ञों के प्रमुख समूह के अध्यक्ष प्रो. बेजोन कुमार मिश्रा का हार्दिक स्वागत किया। बैठक में आयुष क्षेत्र में बीमा कवरेज और नीतिगत पहलों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया ताकि पारंपरिक चिकित्सा की व्यापक पहुँच और मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में एकीकरण सुनिश्चित किया जा सके।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने हाल ही में एआईआईए में आयुष बीमा से संबंधित मामलों के लिए परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) का उद्घाटन किया था। चर्चा के दौरान, प्रो. प्रजापति ने इस बात पर जोर दिया कि पीएमयू हितधारकों के लिए समय पर और पारदर्शी वातावरण प्रदान करेगा, जिससे बीमा संबंधी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में सुविधा होगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि एआईआईए जनता के लिए आयुष बीमा योजनाओं की जानकारी और लाभों तक आसान पहुँच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

डॉ. श्रीवास्तव के साथ बैठक में आयुर्वेद में साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को मजबूत करने के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान और शैक्षणिक आदान-प्रदान के अवसरों की खोज पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा, "एआईआईए पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ने वाले सार्थक सहयोग को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है। अनुसंधान साझेदारी और बीमा समावेशन जैसे नीतिगत ढाँचों को मजबूत करने से आयुष प्रणालियों की पहुँच और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।"

ये कार्यक्रम पारंपरिक चिकित्सा और आधुनिक अनुसंधान दृष्टिकोणों के एकीकरण के माध्यम से साझेदारी को प्रोत्साहन देने, नीतिगत नवाचारों को बढ़ावा देने और समग्र स्वास्थ्य एवं कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए एआईआईए के निरंतर प्रयासों को उजागर करते हैं।

'पवन सिंह मुझे पीटते थे, कमरे में बंद करके', अक्षरा सिंह का चौंकाने वाला खुलासा, पावर स्टार की खोली पोल

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह इन दिनों अपनी पत्नी ज्योति सिंह के साथ चल रहे विवाद को लेकर लगातार सुर्खियों में हैं। दोनों के बीच बीते पांच सालों से तलाक का

मामला कोर्ट में लंबित है और आए दिन नए आरोप-प्रत्यारोप सामने आ रहे हैं। पवन सिंह का नाम इससे पहले भी कई बार उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहा है। एक समय पर उनका नाम भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह के साथ भी जुड़ा था, जिससे उनका रिश्ता और फिर ब्रेकअप इंडस्ट्री की सबसे चर्चित खबरों में से एक रहा है।

बिहार चुनाव से ठीक पहले जेडीयू के दिग्गजों ने थामा आरजेडी का दामन मुश्किल में एनडीए का गेमप्लान

(एजेंसी)।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन की गहमागहमी के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (JDU) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) को शुक्रवार को बड़ा झटका लगा। JDU के पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा और पूर्व विधायक राहुल शर्मा समेत कई दिग्गज नेता विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (RJD) में शामिल हो गए।

RJD नेता तेजस्वी यादव की उपस्थिति में हुए इस दलबदल को बिहार की चुनावी राजनीति में फ्खऊ की रणनीतिक मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है। यह घटना स्पष्ट संकेत देती है कि चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं।

इन नेताओं का फ्खऊ में शामिल होना सिर्फ सीटों का खेल नहीं, बल्कि जातिगत समीकरण को साधने की एक सोची-समझी रणनीति है। RJD, जो पारंपरिक रूप से मुस्लिम-यादव (MY) समीकरण पर निर्भर रही है, अब कुशवाहा समुदाय और भूमिहारों जैसे अगड़ी जाति समूहों को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही है। संतोष कुशवाहा (JDU के पूर्व सांसद)

और अजय कुशवाहा (LJP नेता) के आने से पार्टी को NDA के पारंपरिक वोट बैंक रहे कुशवाहा समुदाय में पैठ बनाने में मदद मिलेगी।

वहीं, पूर्व विधायक राहुल शर्मा (भूमिहार समुदाय से) के शामिल होने से RJD को अगड़ी जाति को साधने की कोशिशों को बल मिलेगा, जो परंपरागत रूप से NDA के समर्थक रहे हैं।

JDU को छोड़कर RJD में आए प्रमुख चेहरे

दलबदल करने वाले नेताओं में सबसे बड़ा नाम संतोष कुशवाहा का है, जिन्होंने JDU के टिकट पर पूर्णिया लोकसभा सीट से दो बार लगातार जीत दर्ज की थी। उनका 2014 में लोकसभा डेब्यू चौंकाने वाला था, जब उन्होंने बीजेपी छोड़कर 'मोदी लहर' के बावजूद JDU के लिए सिर्फ दो सीटों में से एक पर जीत हासिल की थी। उनके अलावा, जहानाबाद जिले की घोसी सीट से पूर्व विधायक राहुल शर्मा भी RJD में शामिल हुए, जो क्षेत्र के कद्दावर नेता जगदीश शर्मा के बेटे हैं।

राहुल शर्मा ने इस सीट को निर्दलीय, जनता पार्टी, बीजेपी और JDU के टिकट पर रिकॉर्ड आठ बार जीता है। लोक जनशक्ति पार्टी के नेता अजय कुशवाहा और खऊ्र के बांका सांसद गिरिधारी प्रसाद यादव के बेटे चाणक्य प्रसाद रंजन भी RJD के पाले में आ गए हैं।

तेजस्वी का NDA पर हमला और सरकार बदलने का दावा

इन नेताओं का RJD में स्वागत करते हुए तेजस्वी यादव ने राज्य की ठऊ्अ सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सीधा हमला बोला। तेजस्वी यादव ने दावा किया, 'राज्य में लोग NDA सरकार से तंग आ चुके हैं। CM होश में नहीं हैं। उनकी सरकार को आगामी विधानसभा चुनावों में जनता उखाड़ फेंकेगी।'

तेजस्वी ने कहा कि इन नेताओं के पार्टी में आने से RJD का परिवार मजबूत होगा। विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 6 और 11 नवंबर को होगा, जबकि वोटों की गिनती 14 नवंबर को की जाएगी।

आईपीएस सुसाइड केस पर चिराग पासवान का अल्टीमेटम, सीएम सैनी को लिखा पत्र, दोषियों को फौरन जेल भेजने की मांग

(एजेंसी)।

केन्द्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले में हस्तक्षेप किया है। पासवान ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को एक पत्र लिखकर इस संवेदनशील मामले की निष्पक्ष, हाई-लेवल और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने की मांग की है।

बिहार की राजनीति में अपनी मजबूत पैठ रखने वाले पासवान का यह कदम दलित उत्पीड़न के एक राष्ट्रीय मुद्दे को सामने लाकर राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा करने वाला माना जा रहा है।

पासवान ने अपने पत्र में 7 अक्टूबर, 2025 को हुई आईपीएस अधिकारी की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने इस घटना को केवल एक आत्महत्या नहीं, बल्कि 'हमारे प्रशासनिक ढांचे में व्याप्त मानसिक और जातिगत उत्पीड़न का भयावह संकेत' बताया है, जो आज भी समाज में जहर की तरह फैला हुआ है।

उन्होंने कहा कि यह अत्यंत

पीड़ादायक है कि जिस हाई रैंकिंग ऑफिसर ने अपना पूरा जीवन कानून, अनुशासन और सेवा में समर्पित किया, उसे अंततः इस अमानवीय व्यवस्था के आगे झुकना पड़ा। पासवान ने जोर देकर कहा कि अधिकारी के सुसाइड नोट में लिखी गई बातें संविधान की आत्मा पर चोट करती हैं।

कानून से ऊपर कोई नहीं, न पद, न प्रभाव

केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री सैनी से इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह घटना किसी राजनीतिक बहस का विषय नहीं है, बल्कि यह मानवता, न्याय और समानता के मूल्यों की परीक्षा है। पासवान ने सख्त लहजे में कहा कि इस मामले में सख्त, पारदर्शी और निर्भीक कार्रवाई पूरे देश को यह संदेश देगी कि 'कानून से ऊपर कोई नहीं है- न पद, न प्रतिष्ठा, न प्रभाव।'

उन्होंने यह भी मांग की कि हरियाणा सरकार इस प्रकरण में किसी को भी नहीं बख्शे, चाहे वह कितना भी बड़ा पद या प्रभावशाली स्थिति क्यों न रखता हो, ताकि प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान की रक्षा हो सके।

गौरतलब है कि यह पत्र ऐसे समय में आया है जब मृतक अधिकारी की आईएएस पत्नी, अमनीत पूरन कुमार की शिकायत पर हरियाणा के ऊ्व्व शत्रुजीत सिंह कपूर और अन्य अधिकारियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और जातिगत उत्पीड़न की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। इससे पहले, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी इस घटना को दलित उत्पीड़न करार देते हुए दोषियों को सख़्त सजा देने की मांग की थी।

हिमालय की गोद में आर्मी ने शुरू किया अनोखा होमस्टे

(एजेंसी)।

उत्तराखंड की बर्फीली चोटियों और शांत घाटियों के बीच बसा गारब्यांग अब पर्यटकों के लिए सिर्फ एक जगह नहीं, बल्कि एक अनुभव बन गया है। कल्पना कीजिए - आप हिमालय की गोद में, स्थानीय लोगों के साथ जी रहे हैं। उनकी संस्कृति, भोजन और परंपराओं का हिस्सा बन रहे हैं। "शिवनगरी गुंजी का प्रवेश द्वार" कहे जाने वाले इस ऐतिहासिक गांव से आप आदि कैलाश और ओम पर्वत की पवित्र यात्राओं पर निकल सकते हैं। जबकि ठंडी बर्फीली हवा, बर्फ से ढकी चोटियां और शांत घाटियां आपके अनुभव को अविस्मरणीय बना देंगी।

यह सिर्फ होमस्टे नहीं, बल्कि एक यात्रा है जो आपके दिल और आत्मा दोनों को छू जाएगी। भारतीय सेना ने इस ऐतिहासिक और खूबसूरत गांव में टेंट आधारित होमस्टे सुविधा का उद्घाटन किया है। यह कदम न सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि सीमावर्ती इलाकों में सतत विकास को भी प्रोत्साहित करेगा। अठककी रिपोर्ट के अनुसार, यह उद्घाटन 6 अक्टूबर 2025 को ऑपरेशन सद्भावना के तहत हुआ, जिसमें लेफ्टिनेंट जनरल डी.जी. मिश्रा, जीओसी उत्तर भारत क्षेत्र ने मुख्य समारोह में भाग लिया।

स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का अवसर

उद्घाटन समारोह में गारब्यांग के ग्रामीणों ने भी भाग लिया और इस परियोजना की सराहना की। सेना ने बताया कि यह होमस्टे स्थानीय लोगों

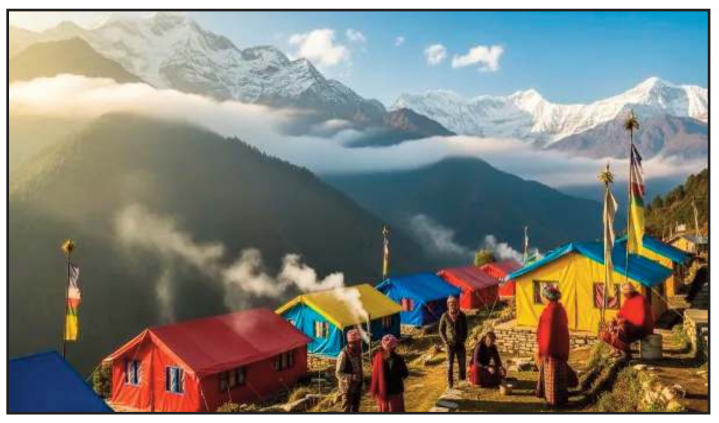

को सौंपा जाएगा ताकि वे इसे स्वतंत्र रूप से चला सकें और इससे आय प्राप्त कर सकें।

सरकार के विकास कार्यक्रम के साथ तालमेल

यह पहल भारत सरकार के 'वाइब्रेंट विलेजेस प्रोग्राम' के उद्देश्यों के अनुरूप है। इस कार्यक्रम का मकसद सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति सुधारना है और जिम्मेदार पर्यटन व स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देना है।

गारब्यांग की खासियत

गारब्यांग घाटियों और बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच बसा हुआ है। इसे अक्सर "शिवनगरी गुंजी का प्रवेश द्वार" कहा जाता है, जहां से दो प्रमुख तीर्थ यात्राएँ शुरू होती हैं - एक आदि कैलाश और दूसरी ओम पर्वत व कालापानी की ओर। यह जगह धार्मिक महत्व, सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण पेश करती है।

बुकिंग और कीमतें

इस समय बुकिंग गारब्यांग विलेज कमेटी द्वारा की जाएगी। पर्यटक यहाँ स्थानीय जीवन शैली का पूरा अनुभव ले सकते हैं। बुकिंग के लिए संपर्क करें: 9410734276, 7579811930, 9596752645। टैरिफ प्रति व्यक्ति प्रति रात 1,000 रुपये है, जिसमें भोजन शामिल है।

पर्यटकों के लिए आकर्षक अनुभव

टेंट आधारित होमस्टे पर्यटकों के लिए एक अलग और इको-फ्रेंडली अनुभव प्रदान करता है। पारंपरिक होटल की तुलना में यह प्रकृति के करीब रहने का मौका देता है और पर्यावरण पर कम असर डालता है। साथ ही, यह स्थानीय समुदाय की आमदनी में भी योगदान देता है।

ऑपरेशन सद्भावना और विकास पहल

गारब्यांग होमस्टे ऑपरेशन सद्भावना के तहत सेना की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इस क्षेत्र में सेना ने कई परियोजनाएँ लागू की हैं:

ग्रामीण इलाकों में बिजली की सुविधा

हाइब्रिड सोलर प्लांट्स

मेडिकल कैंप और स्वास्थ्य सेवाएँ

पॉलीहाउस के माध्यम से कृषि उत्पादकता बढ़ाना

सड़क, पानी और सामुदायिक केंद्र जैसी बुनियादी सुविधाएँ

यह सभी प्रयास सीमावर्ती इलाकों के लोगों को सशक्त बनाने और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए किए गए हैं।

बुकिंग करने के फायदे

सस्ती सुविधा: प्रति व्यक्ति 1,000 रुपये प्रति रात, भोजन सहित।

असली अनुभव: पर्यटक स्थानीय जीवन में पूरी तरह शामिल होते हैं।

धार्मिक स्थलों की नजदीकी: कई तीर्थ स्थल आसपास।

पर्यावरण के अनुकूल: टेंट इको-फ्रेंडली है।

समुदाय द्वारा प्रबंधित: आय सीधे स्थानीय लोगों को जाती है।

पुलिस की क्रूरता: चेकिंग के नाम पर छात्र की पिटाई से मौत, बालाघाट डीएसपी का साला था उदित गायके

(एजेंसी)।

राजधानी भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र में एक ऐसी घटना घटी है, जो न सिर्फ एक परिवार को बर्बाद कर गई, बल्कि पूरे समाज को हिला दिया। एक सामान्य छात्र उदित गायके (22 वर्ष), जो बालाघाट के ऊ्रढ का साला था, अपनी जिंदगी के सबसे साधारण पल-दोस्तों के साथ पार्टी से लौटना- में पुलिस की कथित गुंडागर्दी का शिकार हो गया।

रात 11 बजे इंद्रपुरी इलाके में 'चेकिंग' के बहाने रोके गए उदित और उसके दोस्तों पर गाली-गलौज हुई, 10,000 रुपये की रिश्वत की मांग हुई, और इंकार पर बेरहमी से पिटाई शुरू हो गई।

भागते हुए पकड़े गए उदित को लाठियों और लातों से तड़पाया गया, जिसके बाद उल्टियां हुईं। इसके दोस्त उसे लेकर तोड़ा घूमाने ले गए। इसके कुछ देर बाद वह कार के अंदर ढेर हो गया। इसके बाद दोस्त इसे अक्क्टर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां छात्र को मरा हुआ घोषित कर दिया गया।

सीसीटीवी फुटेज में यह क्रूरता साफ कैद है-पुलिस वाले उदित को जमीन पर पटकते हुए मार रहे हैं। दो आरोपी पुलिसकर्मी-रक संतोष बामनिया और कांस्टेबल सौरभ आर्य-फरार हैं, और इलाके में भारी फोर्स तैनात कर दी गई है। यह घटना भोपाल के पुराने पुलिस ब्रूटैलिटी केस की याद दिलाती है, जहां वर्दी का दुरुपयोग आम हो गया है। क्या इस बार न्याय मिलेगा, या वर्दी फिर बचाव का ढाल बनेगी?

उदित गायके भोपाल के एक प्रतिष्ठित प्राइवेट कॉलेज में इ.ळीं का अंतिम वर्ष का छात्र था। मूल रूप से बालाघाट जिले का रहने वाला, वह पढ़ाई के साथ-साथ दोस्तों के साथ मस्ती-मजाक का शौकीन था। उदित का परिवार मध्यमवर्गीय था-पिता एक सरकारी स्कूल टीचर, मां गृहिणी। लेकिन उदित का खास कनेक्शन था अपनी मौसी से, जो बालाघाट के ऊ्रढ (डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस) हैं। परिवार बताता है कि उदित कभी विवादों से दूर रहता था। वह सपना

देखता था इंजीनियरिंग पूरी कर जॉब पाने का, शादी का, और परिवार को खुश रखने का।

उदित एक साधारण नौजवान था, जिसकी जिंदगी में बस पढ़ाई और दोस्ती थी। 9 अक्टूबर की रात वह अवधपुरी (भोपाल का पॉपुलर पार्टी एरिया) से दोस्तों के साथ पार्टी कर लौट रहा था। उदित की मौत ने न सिर्फ उसके दोस्तों को झकझोर दिया, बल्कि पूरे कैंपस को-कई छात्रों ने कॉलेज गेट पर कैंडल मार्च किया।

घटना का पूरा विवरण: रात 11 बजे की खौफनाक रात, स्टेप बाय स्टेप

पिपलानी थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी क्रॉसिंग पर यह त्रासदी घटी। दोस्तों के बयानों, सीसीटीवी फुटेज और प्रारंभिक जांच के आधार पर चरणबद्ध तरीके से देखें:

रात 10:30-11:00 बजे: पार्टी से वापसी

उदित और उसके तीन दोस्त (राहुल, अंकित, विक्की) बाइक पर अवधपुरी से इंद्रपुरी भोपाल की ओर लौट रहे थे। अवधपुरी भोपाल का एक व्यस्त पार्टी जोन है, जहां युवा अक्सर घूमते हैं। दोस्तों ने बताया, "हम हंसते-खेलते आ रहे थे। शराब की हल्की महक थी, लेकिन गाड़ी सीधी चल रही थी।"

11:00 बजे: पुलिस ने रोका, विवाद शुरू

दोस्तों ने बताया कि जब हम पार्टी करके घूमने निकल रहे थे, तभी इंद्रपुरी के पास अचानक पिपलानी थाने की पुलिस आई। बाइक सवार दो पुलिस कर्मा हमारी कार के पास आए और बहस करने लगे, लेकिन शराब की महक पर पुलिस भड़क गई। दोस्तों का आरोप: "गालियां दीं, 'कुत्ते के बेटे' कहकर धमकाया। फिर 10,000 रुपये मांगे-'फाइन' बताकर।"

11:05-11:15 बजे: मारपीट और रिश्वत की मांग

उदित ने विरोध किया-"हमने कुछ गलत नहीं किया।" पुलिस ने लाठियां चलाईं। दोस्त डरकर भागे, लेकिन उदित को पकड़ लिया। रक बामनिया और कांस्टेबल सौरभ आर्य ने कथित तौर पर उसे घसीटा। दोस्तों ने फोन पर रिकॉर्डिंग की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने छीन ली।

11:15-11:25 बजे: भागते हुए पिटाई और मौत

उदित भागा, पुलिस ने पीछा किया। इंद्रपुरी की एक दुकान के सीसीटीवी में कैद: उदित को जमीन पर पटककर 2-3 मिनट तक लातें, मुक्के और लाठियां। सिर-चेहरे पर चोटें। उदित चिल्लाया, हाथ जोड़े, लेकिन पीटाई रुकी नहीं। मारपीट के बाद उल्टियां हुईं-आंतरिक चोट से रक्तस्राव। इसके बाद दोस्त उसे घुमाने ले गए, लेकिन पुलिस वालों का दोबारा फोन आ गया, जिसके बाद मारपीट से घबराया उदित ज्यादा देर तक जिंदा नही रह सका। यह घटना भोपाल के 2019 के बैरागढ़ कस्टडी डेथ केस की याद दिलाती है, जहां एक युवक की पुलिस हिरासत में मौत हुई थी।

सीसीटीवी फुटेज: क्रूरता का काला सबूत

इंद्रपुरी की एक पान दुकान के उउळश फुटेज ने पूरी घटना को उजागर कर दिया। 2 मिनट 15 सेकंड का वीडियो वायरल है:

पुलिस की बाइक उदित को घेरती है।

रक बामनिया उदित के कॉलर से पकड़ते हैं, सौरभ आर्य लाठी चलाते हैं।

उदित गिरता है, लेकिन लातें जारी-सिर पर तीन-चार।

पृष्ठभूमि में दोस्त चिल्लाते: "भाई को छोड़ दो!"

अंत में उदित स्थिर, पुलिस भागती नजर आती है।

आरोपी पुलिसकर्मी: रक संतोष बामनिया और सौरभ आर्य-पिछला रिकॉर्ड क्या?

रक संतोष बामनिया (38 वर्ष): पिपलानी थाने में 5 साल से तैनात। 2023 में एक मारपीट केस में सस्पेंड हो चुके। सूत्र: "चेकिंग के नाम पर रिश्वत का 'एक्सपर्ट'।" परिवार: भोपाल का रहने वाला, दो बच्चों का बाप।

कांस्टेबल सौरभ आर्य (28 वर्ष): थाने में 2 साल का अनुभव। दोस्तों का आरोप: "मारपीट में सबसे आगे।" दोनों फरार, पुलिस लुकआउट नोटिस जारी। अन्य 3-4 जवान लाइन अटैच।

पुलिस ने कहा, "क्क्रस्तर की जांच। दोषी बर्खास्त होंगे।" लेकिन परिवार: "वर्दी बचाने का खेल।"

पुलवामा शहीद के बेटे को मिली इस खास टीम में एंट्री! क्रिकेट के नए सितारे को देख सहवाग ने कहा- मुझे गर्व है

(एजेंसी)।

पुलवामा शहीद विजय सोरेंग के बेटे युवा क्रिकेटर राहुल सोरेंग को हरियाणा अंडर-19 टीम में चुना गया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने इस खास टीम में चुने जाने पर राहुल को सोशल मीडिया के जरिए दिल से बधाई दी। राहुल का यह सफर देश के हीरो के बेटे के रूप में शुरू होगा। लेकिन वह अपनी हुनर से एक अलग पहचान बनाने की काबिलियत रखते हैं।

सहवाग ने दी राहुल को बधाई

राहुल सोरेंग 2019 से सहवाग इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ाई कर रहे हैं। पुलवामा हमले के बाद सहवाग ने भारत के शहीद सैनिकों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा और बोर्डिंग सुविधा देने की पहल की थी, जिसके तहत राहुल को यह अवसर मिला। सहवाग ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि राहुल सोरेंग को अंडर-19 हरियाणा टीम में चुने जाने पर बधाई। जब से उनके बहादुर पिता ने पुलवामा में शहादत प्राप्त की है, राहुल को सपोर्ट करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है और मुझे उनके सफर पर बहुत गर्व है।

अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में दिखा चुके हैं कमाल

राहुल का क्रिकेट सफर लगातार ऊंचाइयों को छू रहा है। पिछले साल उन्होंने अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में हरियाणा का प्रतिनिधित्व किया था। राहुल की कहानी साहस और अवसर की शक्ति को बताने का काम करती है, जो उनके पिता के बलिदान की विरासत को आगे बढ़ा रही है। एक ओर जहां सहवाग युवा प्रतिभा को प्रोत्साहित कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उन्होंने राहुल के भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं दी हैं।

भारत की अंडर-19 टीम में आने का सपना

शहीद विजय सोरेंग के बेटे राहुल सोरेंग के लिए हरियाणा अंडर-19 टीम में चयन आसान नहीं था। अंडर-19 टीम से पहले, राहुल का चयन हरियाणा की अंडर-14 और अंडर-16 टीमों में भी हो चुका है। फिलहाल, राहुल पुदुचेरी में हैं, जहां वह अपनी राज्य की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं।

दूरसंचार विभाग और इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (आईटीयू) द्वारा नई दिल्ली में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में 'एआई फॉर गुड समिट' की मेजबानी

(एजेंसी)।

दूरसंचार सचिव डॉ. नीरज मित्तल और दूरसंचार मानकीकरण नीति विभाग (टीएसबी) के निदेशक एवं प्रमुख के उप-प्रमुख श्री बिलेल जमौसी ने आज नई दिल्ली में आयोजित आईएमसी 2025 में इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (आईटीयू) के "एआई फॉर गुड - इम्पैक्ट इंडिया" सम्मेलन 2025 का उद्घाटन किया। यह भारत में उत्तरदायी और समावेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नवाचार को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सम्मेलन में वैश्विक एआई क्षेत्र के दिग्गजों, नीति निर्माताओं, उद्योग विशेषज्ञों, स्टार्ट-अप और शिक्षाविदों ने सतत विकास के लिए एआई के परिवर्तनकारी इस्तेमाल का पता लगाने हेतु एक मंच प्रदान किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन दूरसंचार विभाग (डीओटी), संचार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (आईटीयू) के सहयोग से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य

स्वास्थ्य सेवा, कृषि, जलवायु अनुकूलन, डिजिटल समावेशन और सार्वजनिक सेवा वितरण जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का समाधान करने के लिए एआई प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाना है।

आईटीयू, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के लिए एक विशेष एजेंसी है, जिसकी स्थापना 1865 में निर्बाध नेटवर्क इंटरकनेक्शन, वैश्विक रेडियो स्पेक्ट्रम के आवंटन और उपग्रह कक्षाओं के लिए वैश्विक तकनीकी मानकों को विकसित करने और दुनिया भर में वंचित समुदायों के लिए डिजिटल पहुंच में सुधार करने के लिए की गई थी।

'एआई फॉर गुड समिट'

इस अवसर पर दूरसंचार विभाग के सचिव और डीसीसी के अध्यक्ष डॉ. नीरज मित्तल ने कहा, "हालांकि शिखर सम्मेलन का शीर्षक 'एआई फॉर गुड' है, लेकिन इसमें 'एआई फॉर बैड' भी शामिल है।

आईपीएल 2026 मेगा ऑक्शन की तारीख तय! दिसंबर 13-15 को खिलाड़ियों पर होगी पैसों की बारिश, ये है रिटेंशन की लास्ट डेट

एशिया कप 2025 का रोमांच खत्म होते ही अब सभी की निगाहें IPL 2026 के ऑक्शन पर टिक गई हैं, जो इस बार कई बड़े बदलाव के साथ आ रहा है। टीमों के रीसेट होने से पहले ऑक्शन की संभावित तारीखें और खिलाड़ियों को रिटेन करने की समय सीमा सामने आ गई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, BCCI ने इस हाई-वोल्टेज इवेंट के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है, जहां कई बड़े नाम अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी से अलग होते दिख सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए ऑक्शन की तारीखें लगभग तय हो चुकी हैं।

संभावित ऑक्शन विंडो: क्कछ 2026 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है, जिसमें 13 से 15 दिसंबर की तारीखें सबसे आगे हैं। हालांकि, ठउउक ने अभी तक इसे आधिकारिक रूप से अंतिम रूप नहीं दिया है।

रिटेंशन डेडलाइन: सभी फ्रेंचाइजियों को अपने खिलाड़ियों को रिटेन करने या रिलीज करने की अंतिम तारीख 15 नवंबर तय की गई है। इस तारीख तक सभी टीमों को उन खिलाड़ियों के नामों की घोषणा करनी होगी, जिन्हें वे ऑक्शन से पहले रिलीज कर रहे हैं।

ऑक्शन से पहले बड़े खिलाड़ियों की छुट्टी!

रिटेंशन डेडलाइन से पहले ही, कुछ बड़े खिलाड़ियों के रिलीज होने की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे नीलामी का बाजार और गर्म हो सकता है:

रिलीज होने वाले संभावित खिलाड़ी: रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपक हूडा, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, और सैम करन जैसे खिलाड़ी अपनी फ्रेंचाइजियों की रिलीज लिस्ट में शामिल हो सकते हैं।

CSK को फायदा: चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) को ऑक्शन में एक बड़ा फायदा मिलने वाला है। पूर्व में आर. अश्विन के रिटायरमेंट के कारण उनके पर्स में पहले ही ₹9.75 करोड़ की बड़ी रकम जुड़ चुकी है, जिससे उन्हें ऑक्शन में बड़ी बोली लगाने में मदद मिलेगी।

ऑक्शन वेन्यू और टीमों में संभावित बदलाव

इस बार ऑक्शन के आयोजन स्थल को लेकर भी अटकलें तेज हैं, जबकि टीमों के स्वरूप में भी फेरबदल की संभावना है।

ऑक्शन वेन्यू: पिछले दो साल (2023 में दुबई और 2024 में सऊदी अरब) विदेश में ऑक्शन आयोजित करने के बाद, इस बार BCCI का इसे भारत में ही आयोजित करने का कोई प्लान नहीं है। हालांकि, अगर अंतिम समय में कोई बदलाव होता है तो यह आश्चर्यजनक नहीं होगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

वैश्विक रूप से पीएम मोदी सर्वाधिक सर्वमान्य नेता

त्वरित, कठोर और समयानुकूल निर्णय क्षमता ही है नरेन्द्र मोदी की पहचान, मोदी जी की अमृत वेला में शतायु होने की कामना के साथ आज देश उनकी ओर देख रहा है। ऐसे में मोदी जी के नेतृत्व और निवृत्ति की बात करना पूरी तरह से बेमानी होगी। देश को अभी मोदी जी और उनके जैसे नेतृत्व की आवश्यकता है जिससे आजादी के शताब्दी वर्ष तक देश विश्व की सबसे बड़ी ताकत बन कर उभर सके। त्वरित, कठोर और समयानुकूल निर्णय क्षमता ही है नरेन्द्र मोदी की पहचान मरनिंग कंसल्ट के वैश्विक मंच पर लोकप्रियता के ताजातरीन सर्वे में एक बार फिर 75 वर्षाय नरेन्द्र दामोदर दास मोदी की लोकप्रियता या यों कहें कि एप्रूवल रेट 75 प्रतिशत रही है। यह विश्व के अन्य नेताओं की तुलना में कहीं अधिक है तो दूसरी और पिछले दिनों प्यू रिसर्च की रिपोर्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भरोसा जताने वाले केवल 40 प्रतिशत लोग ही रह गए और इनमें भी केवल मात्र 15 फीसदी ही ऐसे लोग है जो पूरी तरह से ट्रंप पर भरोसा कर रहे हैं। चुनाव के समय 81 प्रतिषत भरोसे लायक नेता पर 40 प्रतिशत अमेरिकीयों का भरोसा और इनमें से भी 25 प्रतिशत का थोड़ा भरोसा तो केवल 15 प्रतिशत अमेरिकी ही ट्रंप पर पूरी तरह से भरोसा जता रहे है। 59 प्रतिशत अमेरिकीयों को तो ट्रंप पर अब बिलकुल भी भरोसा नहीं रहा है।

एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि मरनिंग कंसल्ट के इस सर्वे में दूसरे पायदान पर रहने वाले दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग को 59 प्रतिशत और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई को 57 प्रतिशत का एप्रूवल मिला है। दरअसल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की एप्रूवल देश में ही नहीं विदेशों में भी एक दंबग नेता और साफ सुथरी छवि के कारण है। इसके साथ ही कूटनीति, तकनीक, रक्षा, अर्थव्यवस्था और किसी के सामने नहीं झुकने की जिद ने और अधिक लोकप्रियता बढ़ा दी है। सबसे खासबात यह है कि विरोधी चाहे कितना भी शोर मचाये इसमें कोई दो राय नहीं और इससे भी बढ़कर कि आपरेशन सिन्दुर को लेकर विदेशियों और विदेशियों किसी को भी नरेन्द्र मोदी और सेना के कथन पर किसी तरह का कोई संदेह नहीं है। देर सबेर और गाहे बेगाहे पाकिस्तान तक ऑपरेशन सिन्दुर की टीस को व्यक्त कर ही देता है। ऐसे में विरोधियों द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर पर जिस तरह से नकारात्मकता व्यक्त की जाती हैं वह कहीं ना कहीं मोदी की सरकार की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाने में ही सहायक है। यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि नरेन्द्र मोदी अपनी जीवन की अमृतवेला मना रहे है। 75 साल के नरेन्द्र मोदी जिस अदम्य साहस और दृढ़ता का परिचय दे रहे हैं और खासतौर से जिस तरह से अमेरिका और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के आगे झुकने से पूरी तरह नकार कर गया है अब तो ट्रंप को ही झुकने को मजबूर होने जैसे हालात कर दिए हैं। ट्रंप शायद भूल गए कि यह आज का और मोदी का हिन्दुस्तान है। आज मोदी के भारत को दुनिया का कोई देश या दुनिया का कोई नेता हल्के में नहीं ले सकता।

इसका कारण भी है भारत आज आंख में आंख डाल कर बात करने की हैसियत रखता है। ट्रंप की बौखलाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। दरअसल आज के दौर में वैश्विक नेता के रूप में बोल्ड होने, एग्रेसिव होने, कठोर व त्वरित निर्णय लेने वाले नेता लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं।

अच्छे बुरे परिणाम की चिंता कर निर्णय की उहापोह में पंसे नेता आज के लोगों की पसंद हो ही नहीं सकते। इसका बड़ा कारण दुनिया में वैश्विक संकटों का दौर चलना है। पर यह भी समझ लेना होगा कि दुनिया के लोग ट्रंप जैसे अंहकारी, तुगलकी निर्णय करने वाले, गली मौहल्ले के दादाओं जैसे व्यवहार करने वाले और अपने नासमझी भरे निर्णयों और फिर उन निर्णयों पर मुहं की खाने वाले नेताओं को भी पसंद नहीं करते। संकटों के दौर में लोगों का यह मानना रहता है कि हमें आलोचना प्रत्यालोचना या आगा पीछा सोच कर निर्णय लेने वाला नहीं अपितु त्वरित और कठोर निर्णय लेने वाला नेता चाहिए। और इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी इस पर खरे उतरे हैं।

एनडीए-महागठबंधन में कौन आगे, नीतीश फिर सीएम बनेंगे या नहीं? बिहार चुनाव से पहले आया बड़ा सर्वे

(एजेंसी)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले जारी हुए एक बड़े ओपिनियन पोल ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। सर्वे में जहां एनडीए गठबंधन को बढ़त दिखाई गई है, वहीं महागठबंधन भी पीछे नहीं है। वहीं प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज धीरे-धीरे तीसरे विकल्प के रूप में उभरती दिख रही है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले आए नए ओपिनियन पोल में यह बात साफ झलक रही है कि जनता के बीच नीतीश कुमार की पकड़ अब भी मजबूत है।

सी-वोटर सर्वे में महागठबंधन-ठग्ग्ग के सीट शेयरिंग, प्रशांत किशोर किसे पहुंचाएंगे फायदा, कौन सी पार्टी पाला बदलने को तैयार है, इन सब मुद्दों को कवर किया गया है। सर्वे में यह भी पूछा गया है कि अगर ठग्ग्ग की सरकार बनती है तो क्या सीएम नीतीश कुमार ही बनेंगे। आइए जानें क्या कहता है सर्वे।

◆ अगर NDA सत्ता में आई तो नीतीश CM बनेंगे या नहीं?

सर्वे के मुताबिक, अगर एनडीए दोबारा सत्ता में आती है तो 63 फीसदी लोगों का मानना है कि नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे। वहीं, 27.7 प्रतिशत लोगों का कहना है कि एनडीए उन्हें सीएम नहीं बनाएगी, जबकि 8.9 फीसदी ने इस सवाल पर कोई राय नहीं दी।

जब जनता से पूछा गया कि बिहार चुनाव 2025 की रेस में कौन आगे है, तो सर्वे के नतीजे काफी दिलचस्प रहे। 13.6% लोगों ने NDA की जीत का अनुमान लगाया, जबकि 10% लोगों ने विपक्ष (महागठबंधन) के पक्ष में राय दी। वहीं, 21.5% लोगों का मानना है कि इस बार कोई "अन्य विकल्प" उभरकर सामने आ सकता है।

इस सर्वे के बाद बीजेपी प्रवक्ता अजय आलोक ने दावा किया कि एनडीए एक बार फिर बड़ी जीत दर्ज करेगा। उन्होंने कहा, "इस बार एनडीए बिहार में 225 सीटें जीतने जा रहा है। ये चुनाव सिर्फ गणित का नहीं, बल्कि जनता की भावनाओं और केमिस्ट्री से जीता जाएगा।"

अजय आलोक का यह बयान साफ इशारा करता है कि बीजेपी-नीतीश गठजोड़ को लेकर पार्टी को

पूरा भरोसा है और वह जनता के मूड को अपने पक्ष में मान रही है।

◆ NDA आगे, लेकिन सीट बंटवारे पर मतभेद संभव

सर्वे में पूछा गया कि आगामी चुनाव से पहले किस गठबंधन के लिए सीट बंटवारा सबसे मुश्किल रहेगा? इस पर 48.6% लोगों ने कहा कि एनडीए को सीट बंटवारे में सबसे ज्यादा दिक्कत होगी, जबकि 24.3% लोगों ने महागठबंधन को चुनौतीपूर्ण स्थिति में बताया। वहीं 12.7% ने माना कि दोनों गठबंधनों के लिए सीट बंटवारा आसान रहेगा, जबकि 14.4% लोगों ने कोई राय नहीं दी।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एनडीए के भीतर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और जदयू-भाजपा के बीच तालमेल को लेकर अंदरखाने असंतोष मौजूद है।

◆ प्रशांत किशोर के आरोपों से किसे फायदा?

प्रशांत किशोर द्वारा एनडीए नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाने के बाद यह सवाल भी उठाया गया कि किसको सबसे ज्यादा राजनीतिक फायदा होगा? इस पर 33.6% लोगों ने कहा कि महागठबंधन को इसका फायदा मिलेगा, जबकि 22.4% ने जनसुराज को लाभ मिलने की बात कही। एनडीए को 21.9%, और 'किसी को नहीं' को 10.4% लोगों ने चुना।

यह आंकड़ा साफ दिखाता है कि प्रशांत किशोर का हमला महागठबंधन और जनसुराज दोनों को ऊर्जा दे रहा है, जबकि एनडीए फिलहाल नुकसान से बचने की रणनीति में लगा है।

◆ बेरोजगारी और पलायन पर जनता की क्या है राय?

सर्वे में सबसे अहम सवाल था- बिहार में बेरोजगारी, पलायन और भ्रष्टाचार जैसी बड़ी समस्याओं को कौन सुलझा सकता है? यहां महागठबंधन को 36.5% लोगों ने सक्षम माना, जबकि एनडीए को 34.3%। जनसुराज को 12.8% और 'किसी को नहीं' को 9.4% लोगों ने चुना। यानी जनता अब भी उम्मीद लगाए बैठी है कि या तो नीतीश-मोदी की जोड़ी, या तेजस्वी यादव की टीम इन मुद्दों को हल कर सकती है।

◆ कौन पलट सकता है पाला?

सर्वे में एक दिलचस्प सवाल यह भी था कि अगर मांगें पूरी न हुईं, तो कौन सी पार्टी पाला बदल सकती है? यहां एलजेपी (रामविलास) 35.1% के साथ सबसे आगे रही। हम (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) को 15%, वीआईपी पार्टी को 12.7% और आरएलएम को 5% लोगों ने पाला बदलने वाली पार्टी माना। वहीं 32.3% लोगों ने कहा कि कहना मुश्किल है।

◆ गुरु प्रकाश पासवान बोले-ठग्ग्ग में कोई मतभेद नहीं

इन नतीजों के बीच भाजपा प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने कहा, "ठग्ग्ग में सीट बंटवारे या समन्वय को लेकर कोई मुद्दा नहीं है। सब कुछ तय प्रक्रिया के अनुसार होगा।" वहीं फखरु

'हर घर में एक सरकारी नौकरी' पर सियासत सुलगी! तेजस्वी के वादे पर भाजपा ने कहा बेवकूफ बनाने का पैंतरा!

बिहार की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी का तापमान चढ़ गया है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के वादे "हर घर में एक सरकारी नौकरी" ने पूरे सियासी माहौल को गरमा दिया है। जहां एक तरफ तेजस्वी इसे "बिहार का सपना" बता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बीजेपी ने इसे "झूठे वादों का पहाड़" कहकर पूरी तरह खारिज कर दिया है।

तेजस्वी का यह बयान बिहार में रोजगार और युवाओं की बेकारी के मुद्दे को फिर से केंद्र में ले आया है। लेकिन इस बार राजनीति सिर्फ रोजगार पर नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और यथार्थ पर भी हो रही है। पटना में एक जनसभा के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर उनकी सरकार बनती है, तो बिहार के हर घर में कम से कम एक सरकारी नौकरी दी जाएगी। तेजस्वी का यह बयान सुनते ही भाजपा ने मोर्चा खोल दिया और जैसे-जैसे बयानबाजी बढ़ी, माहौल में गर्मी भी बढ़ती गई।

इखठ का पलटवार, 'दो बेवकूफ बिहार को फिर पीछे ले जाना चाहते हैं'

बीजेपी नेता अजय आलोक ने तेजस्वी पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि यह जनता को बेवकूफ बनाने की कोशिश है। उन्होंने कहा,"एक मूर्ख बाग को बर्बाद करने के लिए काफी होता है, लेकिन महागठबंधन में तो दो-दो हैं! पिता ने जंगलराज दिया, और अब पोता तीन करोड़ सरकारी नौकरी देने चला है।"

अजय आलोक ने तंज कसते हुए कहा कि जब पूरे देश में सरकारी नौकरियों की संख्या करीब 2.65 करोड़ है, तो बिहार में 3 करोड़ नौकरियां देने का वादा सिर्फ मजाक है। उन्होंने जोड़ा, "पहले बिहार को 50 साल पीछे ले गए, अब दो-दो 'मूर्ख' मिलकर फिर वही कर रहे हैं। बिहार को एक मूर्ख मिला जिसने बिहार को 50 साल पीछे ले गया और अब यहां दो मूर्ख हैं, और बड़ा मूर्ख दुनिया भर में घूम रहा है।"

भाजपा नेता संजय जायसवाल-सरकार नहीं बनने वाली इसलिए ऐसे बयान

बेतिया से बीजेपी सांसद संजय जायसवाल ने तेजस्वी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब किसी पार्टी को

समझ में आ जाता है कि अब सरकार नहीं बनने वाली, तो वह ऐसे हवाई वादे करने लगती है।

उन्होंने कहा, "तेजस्वी यादव और महागठबंधन को अब भरोसा नहीं कि जनता उन्हें सत्ता में लाएगी। इसलिए अब वे कह रहे हैं कि हर घर में सरकारी नौकरी देंगे। कल कहेंगे कि जो हमें वोट देगा, उसे चांद पर ले जाएंगे।" जायसवाल के मुताबिक, तेजस्वी का बयान यह स्वीकारोक्ति है कि महागठबंधन चुनावी दौड़ से बाहर है।

कांग्रेस का बचाव -'मैनिफेस्टो आने दीजिए, सब साफ हो जाएगा'

तेजस्वी के इस बयान पर जब सवाल कांग्रेस से पूछा गया, तो कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने संयमित लहजा अपनाया। उन्होंने कहा, "थोड़ा इंतजार कीजिए, हमारा घोषणापत्र (मैनिफेस्टो) आने वाला है। उसमें सब स्पष्ट हो जाएगा। जो बातें हम करेंगे, वे हमारे विजन का हिस्सा होंगी और हम उन्हें पूरा करने की दिशा में काम करेंगे।" गहलोत ने कहा कि महागठबंधन का घोषणापत्र ही असली दस्तावेज होगा, जिससे यह तय होगा कि पार्टी युवाओं के लिए क्या योजनाएं लाने वाली है।

'वादा तोड़ने वालों की जमात'-इखठ का बड़ा हमला

बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने तेजस्वी यादव के वादे को "झूठ की राजनीति" बताया। उन्होंने कहा, "इंडिया अलायंस वादाखिलाफी करने वालों का समूह है। जिनके पास जंगलराज, तानाशाही और भ्रष्टाचार की विरासत है, वे अब रोजगार की बात कर रहे हैं।"

तरुण चुग ने ठग्ग्ग सरकार के काम गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में विकास का नया अध्याय लिखा गया है। उन्होंने कहा, "केवल एक महीने में 75 लाख महिलाओं को स्व-रोजगार से जोड़ा गया है, और युवाओं के लिए ₹62,000 करोड़ का पैकेज दिया गया है। ठग्ग्ग का लक्ष्य है - हर हाथ को काम, हर गांव में विकास।"

'लालू-राबड़ी ने 1% भी नहीं दिया नौकरी', हरि सहनी का हमला

बिहार के मंत्री हरि सहनी ने भी तेजस्वी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, "लालू-राबड़ी के शासन में एक प्रतिशत भी नौकरी नहीं दी गई। तब पूरा बिहार परिवारवाद और भ्रष्टाचार की गिरफ्त में था। अब वही परिवार फिर से झूठे वादों से जनता को लुभाना चाहता है।"

उन्होंने आगे कहा कि बिहार की जनता अब सब जान चुकी है कि ठग्ग्ग के शासन में बिहार "जंगलराज से मंगलराज" की ओर बढ़ा है। उन्होंने कहा,"लोग तय कर चुके हैं कि इस बार फिर मजबूत ठग्ग्ग सरकार बनेगी।"

रोहित शर्मा की नई कार पर फिदा हुए एलन मस्क! वायरल हो रहा रिएक्शन, फीचर्स ने सबको किया हैरान

टीम के स्टार क्रिकेटर रोहित शर्मा की नई सवारी ने वर्ल्ड वाइड धूम मचा दी है। 19 अक्टूबर से शुरू हो रही भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज की तैयारी में व्यस्त 'हिटमैन' हाल ही में अपनी ब्रांड न्यू टेस्ला मॉडल वाई चलाते नजर आए। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

यह वीडियो और इससे जुड़ा पोस्ट जब टेस्ला के को-फाउंडर एलन मस्क के सामने आया, तो उनका रिएक्शन तुरंत वायरल हो गया।

करवा चौथ पर एक पोस्ट शेयर करते हुए एक तरह से दुनिया को दिखा दिया कि कैसे उनकी कंपनी 'जीरो' विज्ञापन खर्च पर भी खरबों रुपये की मार्केटिंग कर लेती है।

हिटमैन बने टेस्ला के 'फ्री ग्लोबल प्रमोटर'

रोहित शर्मा की नई Model की वीडियो के साथ एक पोस्ट में लिखा गया था: 'यही कारण है कि टेस्ला को विज्ञापन करने की जरूरत नहीं है- रोहित शर्मा (भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के कप्तान), जिनके इंस्टाग्राम पर 45 मिलियन फॉलोअर्स हैं, ने अभी-अभी एक नई टेस्ला मॉडल वाई खरीदी है।'

यह पोस्ट देखकर एलन मस्क ने इसे खुद शेयर किया। इससे पता चलता है कि टेस्ला कैसे विज्ञापन पर पैसे खर्च करने के बजाय, हाई-प्रोफाइल हस्तियों के प्रोडक्ट इस्तेमाल को अपनी ब्रांड वैल्यू में बदल देती है। रोहित शर्मा की यह एक ड्राइव टेस्ला के लिए भारत सहित दुनिया भर में एक करोड़ों रुपये का प्रमोशन बन गई।

बिक्री बढ़ाने के लिए ळेर' ने उतारे 'सस्ते' वेरिएंट

रोहित शर्मा द्वारा नई टेस्ला खरीदे जाने की यह खबर ऐसे समय में आई है जब टेस्ला अपनी घटती बिक्री को बढ़ाने के लिए बाजार में सस्ते और किफायती वेरिएंट्स लॉन्च कर रहा है। कंपनी ने टेस्ला के नए एंट्री-लेवल वेरिएंट्स पेश किए हैं। इन मॉडलों को लाने का मकसद ग्राहकों के एक बड़े वर्ग को आकर्षित करना और प्रतिस्पर्धा वाले बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना है। ये नए वेरिएंट फिलहाल केवल अमेरिकी बाजार में उपलब्ध हैं।

टेस्ला मॉडल वाई का यह 'स्टैंडर्ड' वेरिएंट, हाई वेरिएंट की तुलना में कम कीमत में उपलब्ध कराने के लिए कुछ फीचर्स को हटाता है, जबकि मुख्य पावर को बरकरार रखता है:

पावर और परफॉर्मेंस

बैटरी और रेंज: यह 69.5 'हं की छोटी बैटरी यूनिट के साथ आती है, जो एक सिंगल चार्ज पर 517 किलोमीटर तक की रेंज देने का दावा करती है।

पावर: यह वेरिएंट लगभग 300hp (हॉर्स पावर) की क्षमता रखता है।

डिजाइन और एक्सटीरियर में बदलाव

व्हील्सः इसमें 18 इंच के स्टैंडर्ड व्हील्स मिलते हैं।

सनरूफ हटा: हाई वेरिएंट में मिलने वाली पैनोरमिक सनरूफ को इस मॉडल से हटा दिया गया है।

कलर ऑप्शनः ग्राहकों को केवल तीन रंग विकल्प मिलते हैं: सफेद, काला और ग्रे।

अन्य बदलाव: हाई वेरिएंट के फ्रंट पर दिखने वाली लाइट बार भी हटा दिए गए हैं।

करवा चौथ से पहले छूटा पति का साथ, शव से लिपटकर रोई, नन्हें हाथों ने दी मुखाग्नि

(एजेंसी)।

करवा चौथ से ठीक एक दिन पहले पंजाब के मशहूर बॉडीबिल्डर और एक्टर वरिंदर सिंह घुम्मण(42) की मौत ने उनके परिवार को तोड़ दिया। गुरुवार (9 अक्टूबर 2025) देर रात अमृतसर के फोर्टिस अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान दो हार्ट अटैक से उनका निधन हो गया।

देर रात जब उनका पार्थिव शरीर जालंधर के मॉडल हाउस स्थित घर पहुंचा, तो पत्नी और परिजन शव से लिपटकर फूट-फूटकर रोए। शुक्रवार (10 अक्टूबर) दोपहर 3 बजे मॉडल टाउन श्मशान घाट में उनके बड़े बेटे गुरतेजवीर सिंह ने मुखाग्नि दी। हर आंख नम थी, और जनसैलाब ने अपने "मैन ऑफ इंडिया" को अंतिम विदाई दी। आइए जानते हैं कैसे हुई थी मौत...

वरिंदर गुरुवार को मॉडल हाउस के अपने जिम में वर्कआउट कर रहे थे, जब कंधे की नस दबने से दर्द शुरू हुआ। दोस्त उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल ले गए, फिर अमृतसर के फोर्टिस रेफर किया गया। छोटे से

ऑपरेशन के दौरान पहला हार्ट अटैक आया, और दूसरा अटैक जानलेवा साबित हुआ। दोस्त अनिल गिल ने सवाल उठाया: 'बॉडी अचानक नीली कैसे पड़ गई? अस्पताल की लापरवाही की जांच हो।'

अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. रोमी ने कहा, 'सभी दवाओं का रिकॉर्ड मौजूद। मेडिकल बुलेटिन जल्द जारी होगा।' दोस्तों ने सीसीटीवी फुटेज मांगी, लेकिन अस्पताल ने बताया कि ऑपरेशन थिएटर में कैमरे नहीं। पुलिस में अभी कोई केस दर्ज नहीं।

वरिंदर की पत्नी का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया, क्योंकि उन्होंने हमेशा निजता बरती। शव घर पहुंचते ही वह टूट गईं। परिजनों ने बताया, 'वह करवा चौथ की तैयारियों में थीं, लेकिन अब सिर्फ आंसू बचे।' वरिंदर के 4 बच्चे (2 बेटे: गुरतेजवीर, भगवंत; 2 बेटियां: गैवी, एकमजोत) हैं, शव से लिपटकर बिलखते रहे।

समय और जगह: 10 अक्टूबर, दोपहर 3 बजे, मॉडल टाउन श्मशान घाट, जालंधर।

मुखाग्निः बड़े बेटे गुरतेजवीर सिंह ने दी।

परिवार: पिता भूपिंदर सिंह (रिटायर्ड अरक कबड्डी प्लेयर), दादा (हॉकी प्लेयर), मां हरभजन कौर का 2009 में निधन।

पवन सिंह की पत्नी ज्योति क्या जनसुराज से लड़ेंगी चुनाव? पीके के साथ बंद कमरे में चली बैठक

(एजेंसी)।

बिहार की राजनीति में इन दिनों भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह सुर्खियों में हैं। पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह शुक्रवार (10 अक्टूबर) को जनसुराज अभियान के प्रमुख प्रशांत किशोर (PK) से मिलने पहुंचीं। ऐसे में ये चर्चा तेज है कि क्या प्रशांत किशोर जनसुराज से ज्योति सिंह को टिकट देने वाले हैं।

पटना के जनसुराज कार्यालय में ज्योति सिंह और प्रशांत किशोर के बीच करीब 20 मिनट तक बंद कमरे में मुलाकात चली। इस मीटिंग के बाद जब मीडिया ने सवाल किए कि क्या वो जनसुराज से टिकट मांगने आई हैं, तो ज्योति ने साफ कहा -"मैं यहां चुनाव लड़ने या टिकट के लिए नहीं आई हूं। मैं एक आम महिला बनकर आई हूं। मेरे साथ जो अन्याय हुआ है, वो किसी और महिला के साथ ना हो, बस यही मेरी मंशा है।"

ज्योति सिंह ने कहा कि वो अपने पति पवन सिंह से चल रहे विवाद के बीच मदद के लिए प्रशांत किशोर के पास पहुंचीं। उन्होंने बताया, "मैं किसी

पार्टी से टिकट नहीं चाहती, न ही मैं राजनीति में आने का इरादा रखती हूं। मैं बस चाहती हूं कि बिहार की महिलाएं मेरे जैसे हालात में न फंसें। प्रशांत किशोर बिहार के लोगों की आवाज बन रहे हैं, इसलिए मैं उनसे मदद मांगने आई हूं।"

प्रशांत किशोर बोले, ये पारिवारिक मामला है, पवन सिंह भी मेरे दोस्त हैं

मुलाकात के बाद प्रशांत किशोर ने भी इस पूरे घटनाक्रम पर बयान दिया। उन्होंने कहा, "ज्योति सिंह बिहार की एक महिला के तौर पर आई हैं। उन्होंने जो दर्द साझा किया, उसे हमने सुना। लेकिन यह मामला पूरी तरह पारिवारिक है और जनसुराज किसी के निजी विवाद में नहीं पड़ता। हां, अगर सुरक्षा का मामला है, तो जनसुराज हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा।"

प्रशांत किशोर ने आगे कहा, "पवन सिंह हमारे मित्र हैं, हम उनके निजी जीवन में दखल नहीं देंगे। अगर समाज के स्तर पर अगर किसी महिला को लगता है कि उसके साथ अन्याय हुआ है, तो जनसुराज उसका साथ देगा।"

अब क्या जनसुराज से राजनीति में उतरेंगी ज्योति सिंह?

मुलाकात के बाद से ही चर्चाएं तेज हैं कि क्या प्रशांत किशोर ज्योति सिंह को जनसुराज से टिकट दे सकते हैं? हालांकि फिलहाल ढड ने ऐसी किसी संभावना से इनकार किया है। उन्होंने साफ कहा, "ये पारिवारिक मामला है, और जनसुराज किसी भी तरह के पारिवारिक विवाद में नहीं पड़ता। लेकिन अगर सुरक्षा या महिला सम्मान की बात होगी, तो हम पीछे नहीं हटेंगे।"

ढंदव्ल ृल्ल' ख़८ड्ड ृल्ल' फ्ुद्भ: आखिर क्यों बढ़ा पवन-ज्योति का विवाद?

दरअसल पवन सिंह और ज्योति सिंह के बीच का विवाद पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियों में है। 5 अक्टूबर को ज्योति सिंह अचानक लखनऊ स्थित पवन सिंह के घर पहुंचीं, जिसके बाद खूब ड्रामा हुआ। पुलिस को बीच में आना पड़ा।

5.2 करोड़ की फेरारी लेकर सड़कों पर निकले भारतीय क्रिकेट टीम के ताबड़तोड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, स्टाइलिश लुक से जीता फैंस का दिल

तस्वीर वायरल

हाल ही में भारतीय क्रिकेट टीम के ताबड़तोड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक लक्जरी कार खरीदी है। एशिया कप में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के तुरंत बाद अभिषेक शर्मा ने लगभग 5.2 करोड़ रुपये की कीमत वाली एक Ferrari V12 खरीदी है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर इस दमदार कार की तस्वीरें 'V12' कैप्शन के साथ शेयर की है।

एशिया कप 2025 में जबरदस्त प्रदर्शन

अभिषेक शर्मा ने संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में हुए एशिया कप 2025 में बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने सात पारियों में 40 से अधिक के औसत से 314 रन बनाकर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में खिताब अपने नाम किया। खासकर पाकिस्तान के खिलाफ सुपर 4 मुकाबले में उनका प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने महज 39 गेंदों पर 74 रन की तूफानी पारी खेलकर 'मेन इन ब्लू' को 172 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल करने में मदद की थी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर होगी बड़ी परीक्षा

एशियाई पिचों पर अभिषेक ने शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन अब उनके सामने एक बड़ी चुनौती है। वह पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाले हैं, जहां की पिचों पर बल्लेबाजी करना काफी मुश्किल होता है। ऑस्ट्रेलिया के दौरे की शुरुआत 19 अक्टूबर को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में तीन मैचों की वनडे सीरीज से होगी।

टी-20 टीम की कमान संभाल रहे सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में भारतीय टीम इस दौरे पर जीत हासिल करने के लिए बेताब होगी। पिछले साल टी-20 विश्व कप जीतने के बाद से भारत ने टी-20 में बहुत कम मैच गंवाए हैं। टीम की यह जीत अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारियों के लिए भी अहम होगी। हालांकि अभिषेक शर्मा को वनडे टीम में जगह नहीं मिल पाई, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल हालात में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का उनका अनुभव उनके करियर के लिए एक बड़ी सीख साबित होगा।

ट्रक ने तोड़ा रेल्वे फाटक बड़ा हादसा होते होते टला

(एजेंसी)।

पीलीभीत,पूरनपुर:रेलवे फाटक पर बड़ा हादसा होते-होते टल गया। फाटक बंद होने के बावजूद तेज रफ्तार ट्रक ने फाटक तोड़ते हुए निकल गया,

जिससे इलाके में भारी तनाव पैदा हो गया। यह घटना न केवल फाटक के नियमों की अवहेलना है, बल्कि यात्रियों व स्थानीय लोगों की जान के लिए भी बेहद गंभीर खतरा है।

रेलवे फाटक पर सुरक्षा इंतजामों में कमी और इसके निष्ठापूर्वक पालन

में चूक इस तरह के खतरनाक हादसों का कारण बन रही है। स्थानीय लोगों की मांग है कि रेलवे और प्रशासन मिलकर फाटक पर निगरानी बढ़ाएं, सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो।

इस मामले में ट्रक चालक की लापरवाही के साथ-साथ फाटक के बंद समय का उल्लंघन भी स्पष्ट है, जो बड़े हादसे को न्योता देने जैसा है। प्रशासन को चाहिए कि ऐसी घटनाओं पर तुरंत सख्त कदम उठाए ताकि भविष्य में जान-माल की हानि से बचा जा सके।

ऐसे फाटकों की स्थिति कैसी है? क्या वहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं?

प्रयागराज: सरोजनी नायडू बाल चिकित्सालय में डाक्टरों की लापरवाही से बच्चे की मौत

(एजेंसी)।

प्रयागराज चिल्ड्रेन हॉस्पिटल के डॉक्टर की लापरवाही से आज एक और चार साल बच्चे की मौत हो गई। बड़ा सवाल यह है कि जहां प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि सभी सरकारी अस्पताल में तीमारदारों को अच्छी से अच्छी सुविधा और अच्छा से अच्छा इलाज होना चाहिए लेकिन सरकारी डॉक्टरों को बस सैलरी से मतलब है पेशेंट मारे या जिए उससे उन्हें कोई मतलब नहीं है आज चिल्ड्रेन हॉस्पिटल का एक ऐसा ही मामला सामने आया है पीड़ित ने अपने बच्चे को बेड पर लेटाया था काफी देर हो जाने के बाद जब बच्चे के पिता ने डॉक्टर से कहा की डॉक्टर साहब मेरे बच्चे को देख लीजिए

उसकी हालत बहुत खराब है इतने में ही डॉक्टर साहब आग बबूला हो गए कहा कि शांति से बैठ जाओ नहीं तो तुमको अभी बाहर भगा देंगे और कुछ ही देर बाद बच्चे की मौत हो गई तो और जो वहां के पीड़ित लोग जब अपनी बात मीडिया को बताना चाह तो वहां के गार्ड अनिल श्रीवास्तव ने धमकी देते हुए कहा कि अगर यहां की कोई बात मीडिया को बताई तो तुम्हारे बच्चे का इलाज नहीं होगा और तुम सबको बाहर कर देंगे इतने में जब मीडिया के लोगों ने वीडियो बनाने लगे तो डॉक्टरों ने पूरा झुंड बनाकर के पत्रकार का मोबाइल छीन लिया।

सम्राट चौधरी का मास्टरस्ट्रोक! भाई की इस हाई-प्रोफाइल सीट से एंट्री ने बढ़ाई जेडीयू की टेंशन

(एजेंसी)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। पार्टियों के बीच सीट बंटवारे पर मंथन शुरू हो चुका है। कहीं समीकरण सटीक बैठ रहे हैं, तो कहीं सीटें मन मुताबिक न मिलने पर नाराजगी और असंतोष की स्थिति साफ दिख रही है।

इसी कड़ी में सम्राट चौधरी के बड़े भाई रोहित चौधरी ने मुंगेर की तारापुर विधानसभा सीट से चुनावी ताल ठोक दिया है। राजनीतिक गलियारों में खबर है कि उन्हें जदयू से टिकट मिल सकती है।

रोहित चौधरी के इस कदम ने तारापुर विधानसभा क्षेत्र में सियासी माहौल को और गर्म कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके जानकारी देते हुए बताया कि 15 अक्टूबर को वह नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

तारापुर से बिगड़ सकता है जेडीयू का खेल?

रोहित चौधरी ने तारापुर के लोगों से अपील की है कि वे नामांकन में पहुंचकर उनका आशीर्वाद दें। उनके इस पोस्ट के बाद मुंगेर जिले से लेकर राजधानी पटना तक राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। स्थानीय नेता और पार्टी कार्यकर्ता अब भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा कर रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर जदयू रोहित चौधरी को

उम्मीदवार बनाती है, तो वर्तमान विधायक राजीव कुमार सिंह की कुर्सी खतरे में हो जाएगी। तारापुर में यह सीट हमेशा से जदयू के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती रही है, और रोहित की एंट्री ने समीकरण बदल दिए हैं।

रोहित चौधरी का राजनीतिक सफर

रोहित चौधरी केवल पारिवारिक राजनीतिक विरासत पर ही भरोसा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने 2005 में खगड़िया जिले के परबत्ता विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़कर अपने राजनीतिक कदम का अनुभव भी हासिल किया है। उनके राजनीतिक नेटवर्क और सक्रियता ने उन्हें तारापुर में मजबूत उम्मीदवार के रूप में खड़ा किया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि रोहित चौधरी की जदयू के साथ संभावित गठजोड़ और परिवार की राजनीतिक छवि तारापुर की चुनावी लड़ाई को और रोचक बना सकती है। इस सीट पर वर्तमान विधायक और स्थानीय नेता अब संभावित चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

सीट बंटवारे पर मंथन

बिहार चुनाव 2025 के लिए महागठबंधन और एनडीए दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे का गणित अभी भी उलझा हुआ है। रोहित चौधरी का तारापुर से चुनावी मैदान में उतरना इस गणित को और पेचीदा बना रहा है। जदयू के लिए यह महत्वपूर्ण चुनौती है कि वे अपने अनुभव और पारिवारिक नेटवर्क के बल पर सकारात्मक समीकरण बनाए रखें।

तारापुर विधानसभा सीट अब बिहार चुनाव 2025 में कड़ी सियासी जंग का केंद्र बन गई है। रोहित चौधरी की एंट्री ने न केवल वर्तमान विधायक की स्थिति पर असर डाला है, बल्कि पूरे जिले की राजनीतिक हलचल को भी सक्रिय कर दिया है। आने वाले दिनों में जदयू के टिकट और स्थानीय जनाधार पर नजर सभी की होगी, जो तय करेगा कि रोहित चौधरी की चुनौती कितनी प्रभावशाली साबित होगी।

जुम्मे की नमाज को लेकर थाना वजीरगंज पुलिस हुई अलर्ट

ग्राम अंगथरा में जुम्मे की नमाज को लेकर थाना वजीरगंज पुलिस हुई अलर्ट बदायूं की तहसील बिसौली क्षेत्र के ग्राम अंगथरा में जुम्मे की नमाज को लेकर थाना वजीरगंज पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के साथ गांव की सभी मस्जिदों का जयजा लिया बता दे की डॉक्टर बृजेश कुमार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूं के तत्वाधान में चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 10 /10/25 को रहरिया पुलिस चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ने अपनी टीम के साथ जुम्मे की नमाज

को लेकर कड़ी निगरानी के साथ गांव अंगथरा में जाकर जुम्मे की नमाज शांतिपूर्वक अदा कराई एवं आलिया मस्जिद, मोती मस्जिद, जामा मस्जिद, गौसिया मस्जिद, सभी मस्जिदों पर जाकर जयजा लिया और कहां की शांति पूर्वक घरों ब मस्जिदों में नमाज पढ़ें कोई भी शांति भांग करता पाया गया उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी

रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने मुंबई में ब्रिटेन के रक्षा राज्य मंत्री श्री वर्नोन कोकर से मुलाकात की

रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने 10 अक्टूबर, 2025 को मुंबई में ब्रिटेन के रक्षा राज्य मंत्री (हाउस ऑफ लॉर्ड्स के मंत्री) श्री वर्नोन कोकर के साथ द्विपक्षीय बैठक की। यह बैठक यूके कैरियर स्ट्राइक ग्रुप (सीएसजी) की भारत यात्रा के दौरान आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने जारी रक्षा सहयोगों की समीक्षा की और भारत तथा ब्रिटेन के बीच सहयोग को और गहरा करने के उपायों पर चर्चा की। रक्षा राज्य मंत्री ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि प्रिंस ऑफ वेल्स के नेतृत्व में यूके सीएसजी ने भारत के पश्चिमी तट पर भारतीय नौसेना के साथ द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास कोंकण-25 के समुद्री चरण को सफलतापूर्वक पूरा किया। सीएसजी वर्तमान में मुंबई और गोवा में बंदरगाह चरण से जुड़े कार्यकलापों में संलग्न है। श्री संजय सेठ ने इस बात पर बल दिया कि इस तरह की प्रचालनगत परस्‍ पर बातचीत ऑपरेशन से जुड़े दर्शन की आपसी समझ को बढ़ाती है और दोनों नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

हुसैनगंज पुलिस ने वांछित चल रहे ठग को गिरफ्तार कर भेजा सलाखों के पीछे

(एजेंसी)।

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट अमरेन्द्र कुमार सेंगर के दिशा-निर्देशन में काम कर रही हुसैनगंज पुलिस के तेजतर्रार थाना प्रभारी शिव मंगल सिंह और उनकी पुलिस टीम को लगातार मिल रही सफलताएं आपको बताते चलें कि पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड परीक्षा का फर्जी लीक पेपर देने का झांसा देकर अलग-अलग ग्रुप और बैंक अकाउंट, बैंक डिटेल और दफ उड्डी बनाकर अभियार्थियों से धन की उगाही कर ठगी करने वाला शातिर ठग हरीश कुमार भगत आया

हुसैनगंज थानाध्यक्ष शिव मंगल सिंह और उनकी टीम की कस्टडी में हुसैनगंज पुलिस ने भोपाल के सी-5 न्यू सैनिक कॉलोनी वैरागढ़ से किया गया गिरफ्तार अभियार्थितों से हरीश कुमार भगत करता था ठगी करने के बाद मोबाइल कर लेता था बंद, वर्ष 2024 से चल रहा था फरार ठग कि गिरफ्तारी पर डीसीपी मध्य ने घोषित किया था 25 हजार का इनाम सोशल मीडिया पर अलग-अलग ग्रुप बनाकर करता था ठगी का धंधा आया हुसैनगंज थानाध्यक्ष शिव मंगल सिंह व उनकी पुलिस टीम ने भेजा सलाखों के पीछे गिरफ्तार करने वाली टीम में उ0नि0 गौरव पांडे, कांस्टेबल मोहित कुमार कि रही अहम भूमिका।

देवा में गाजे-बाजे के बीच डीएम एसपी नें की चादर अर्पण, हजारों जायरीन बने साक्षी

(एजेंसी)।

बाराबंकी। शुक्रवार की शाम देवा मेला एवं प्रदर्शनी समिति के आयोजन में सूफी संत हाजी वारिस अली शाह और उनके वालिद सैयद कुर्बान अली शाह की मजार पर पारंपरिक चादर अर्पित की गई। इस अवसर पर मेला परिसर से पीएसी बैंड के साथ चादर जुलूस निकाला गया, जिसमें हजारों जायरीन श्रद्धा भाव के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। जुलूस सबसे पहले सैयद कुर्बान अली शाह की मजार पर पहुंचा, जहां चादर अर्पित की गई। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं ने हाजी वारिस अली शाह की मजार पर पहुंचकर चादर पेश की। इस अवसर

पर उपस्थित लोगों का आस्ताने के सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी/अध्यक्ष देवा मेला प्रदर्शनी समिति शशांक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी/सचिव अरुण कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय, उपजिलाधिकारी नवाबगंज आनंद कुमार तिवारी के साथ मेला कमेटी के सदस्यों फव्वाद किदवई, रानी मृणालिनी सिंह, संजय बाली, तालिब नजीब, संदीप सिन्हा, महबूब-उर-रहमान, फैज महमूद, डॉ. फारुख, राय स्वरेश्वर बली, समेत प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गाजे-बाजे और उमड़े जायरीन की श्रद्धा ने देवा मेला के पवित्र वातावरण को और भी जीवंत और भावनात्मक बना दिया, जिससे श्रद्धालुओं और आयोजकों दोनों ने आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक सौहार्द का अनुभव किया।

दमादम मस्त कलंदर की शानदार प्रस्तुति पर दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

स्थानीय कव्वालों के नाम रही देवा मेले की शाम

(एजेंसी)।

बाराबंकी, 10 अक्टूबर। देवा मेला के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्थानीय कव्वालों द्वारा एक से बढ़कर एक कव्वाली प्रस्तुत कर माहौल को सूफियाना बना दिया। कव्वाल अजीज वारसी के ग्रुप ने दमादम मस्त कलंदर पर माहौल को सूफियाना बना दिया। इसके बाद

वारसी ग्रुप देवा के कव्वाल सहाब वारसी और उनके वालिद मो0 शकेब वारसी की टीम ने छाप तिलक सब छीनी और आशिकाना गजल सहित अनेक गजलों की प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। कव्वाल अफ्फान हुसैन वारसी व उनकी टीम के साथी कव्वालों द्वारा ताजदारे हरम, बेखुद किये रहते है, आज रंग है आदि मनमोहक कव्वालियों की प्रस्तुतियां देकर सूफी रंग बिखेरा।

इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में टीम लखनऊ के योद्धाओं को किया गया सम्मानित

टीम लखनऊ ने पंजाब और हिमांचल प्रदेश के बाढ़ पीड़ित परिवारों की मदद करके लखनऊ का नाम किया रोशन

मुश्किल में पड़े इंसानों की मदद करना एक बहुत बड़ी इबादत है:मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली

लखनऊ। पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब (स.अ.व.) ने अल्लाह की मखलूक (प्राणियों) के साथ अच्छा बर्ताव करने और जरूरतमंदों की मदद करने की तालीम दी है। इसलिए, मुश्किल में पड़े इंसानों की मदद करना एक बहुत बड़ी इबादत है।यह बात लखनऊ के शाही इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने उस अवसर पर कही जब टीम लखनऊ ने पंजाब और हिमाचल प्रदेश में बाढ़ से प्रभावित लोगों की सेवा के पश्चात

लौटकर इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में अपने राहत अभियान की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इस अवसर पर मौलाना खालिद रशीद साहब ने टीम लखनऊ के सभी सदस्यों मुर्तजा अली, कुदरत उल्ला खान, जुबैर अहमद, अब्दुल वहीद, जशबीर गांधी और वामिक खान का शाल और फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया और उनकी सेवाओं की भूरी-भूरी प्रशंसा की।इस अवसर पर टीम लखनऊ के लीडर ने इस अभियान में मदद करने वाले सभी संस्थाओं का शुक्रिया अदा किया।टीम लखनऊ के मीडिया प्रभारी अब्दुल वहीद ने बताया कि पंजाब में टीम लखनऊ ने सेना के सहयोग से एक सप्ताह तक लगभग 30 टन राहत सामग्री बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में बांटी जबकि टीम लखनऊ के जांबाज योद्धा हिमांचल प्रदेश की दुर्गम पहाड़ियों की चोटी तक सेना की मदद से लगभग 10 टन राहत सामग्री जरूरतमंदों के बीच पहुंचाया।पंजाब और हिमांचल प्रदेश में लगातार 12 दिनों तक बाढ़ पीड़ितों की ऐतिहासिक मदद करने वाली टीम में मुतुर्जा अली)टीम लीडर, अब्दुल वहीद (संस्थापक सदस्य), जुबैर अहमद(संस्थापक सदस्य), कुदरत उल्ला खान(संस्थापक सदस्य), जशबीर गांधी(संस्थापक सदस्य), वामिक खान(संस्थापक सदस्य), शाहबाज खान(सदस्य),

एडविन(सदस्य), निहिल(सदस्य),

इरफान शेख(सदस्य)आदि प्रमुख थे।

तालिबानी मंत्री ने दिल्ली से पाकिस्तान को लताड़ा, 'हमें न उकसाएं, अंजाम अमेरिका और नाटो से पूछ लेना'

(एजेंसी)।

काबुल में धमाकों के बीच, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी ने भारत यात्रा के दौरान पाकिस्तान को आक्रामकता के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने अफगानिस्तान में विदेशी शक्तियों की पिछली असफलताओं का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी देश को अफगानों के हौसले को चुनौती देने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। मुत्तकी ने यह बयान शुक्रवार को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिया, जबकि गुरुवार देर रात काबुल में कई धमाके हुए थे।

पाकिस्तान पर सीधा हमला

नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान मुत्तकी ने इस हमले के लिए सीधे तौर पर पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में हुए इन हमलों को

अफगानिस्तान गलत कृत्य मानता है। मुत्तकी ने दो टूक कहा, "सीमा के पास दूरदराज के इलाकों में हमला हुआ है। हम पाकिस्तान के इस कृत्य को गलत मानते हैं। समस्याओं को इस तरह से हल नहीं किया जा सकता।"

"अफगानों के साहस की परीक्षा न ली जाए"

मुत्तकी ने पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि अफगानों के साहस की परीक्षा लेने की गलती न की जाए। उन्होंने कहा, "हम एक स्वतंत्र राष्ट्र हैं। अगर हमारे यहां शांति है, तो किसी को इससे परेशानी नहीं होनी चाहिए। हम भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं, लेकिन यह एकतरफा नहीं हो सकता।"

अमेरिका, NATO, सोवियत से पूछ लेना

मुत्तकी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तीखे तेवर दिखाते हुए कहा कि जिसको अगर लग रहा हो कि अफगानों को दबाना आसान है तो एक बार अमेरिका, ठअळड और सोवियत से पूछ लेना कि अफगान क्या हैं। जब इतनी बड़ी शक्तियां हमारे सामने घुटने टेक गईं तो आप क्या हैं।

इतिहास से सबक लेने की सलाह

अफगान विदेश मंत्री ने अपने बयान में कहा, "अफगानों के साहस की परीक्षा नहीं ली जानी चाहिए। यदि कोई ऐसा करना चाहता है, तो उन्हें सोवियत संघ, अमेरिका और नाटो से पूछना चाहिए कि अफगानिस्तान के साथ टकराव का परिणाम क्या हुआ था।" मुत्तकी का यह बयान अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह संदेश देने के रूप में देखा जा रहा है कि अफगानिस्तान अब किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं करेगा।

मुस्लिम महिलाओं ने पहना बुर्का तो मिलेगी बड़ी सजा, मस्जिद पर लगेगी लगाम, वर्जिनिटी टेस्ट भी बंद!

मुस्लिम महिलाओं ने पहना बुर्का तो मिलेगी बड़ी सजा, मस्जिद पर लगेगी लगाम, वर्जिनिटी टेस्ट भी बंद!

'अपनी रक्षा के लिए कुछ भी करेंगे'

यह बयान ऐसे समय में आया है जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय अफगानिस्तान में स्थिरता और आतंकवाद के खात्मे पर नजर रखे हुए है। काबुल में हालिया धमाकों ने सुरक्षा को लेकर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।

सपा कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया कांशीराम निर्माण दिवस

लखनऊ। बहुजन समाज के जननायक कांशीराम की निर्माण तिथि के उपलक्ष्य में आज समाजवादी पार्टी कार्यालय में निर्माण दिवस धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, मोहनलालगंज के सांसद आर.के. चौधरी तथा सलाउद्दीन सिद्दीकी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत कांशीराम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

इस अवसर पर नेताओं ने शपथ ली कि वे कांशीराम के दिखाए मार्ग

पर चलते हुए जनहित और सामाजिक समानता के लिए कार्य करते रहेंगे।